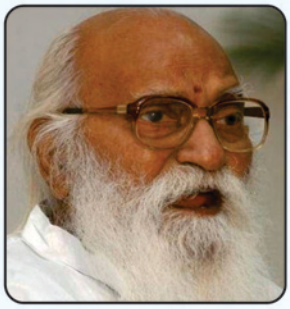
हमारे प्रेरणा पुंज मार्गदर्शक



श्रद्धेय भाऊराव देवरस



श्रद्धेय नाना जी देशमुख



श्रद्धेय कृष्णचन्द्र गाँधी



मा. ब्रह्मदेव शर्मा जी
अ.भा. मार्गदर्शक, विद्या भारती



मा. गोविंद चंद्र महंत जी
अ.भा. संगठन मंत्री, विद्या भारती



मा. यतीन्द्र जी
अ.भा. सह संगठन मंत्री, विद्या भारती



मा. शिव कुमार जी
अ.भा. मंत्री, विद्या भारती



मा. रमेश जी
प्रान्त प्रचारक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गोरक्षप्रान्त



मा. हेमचन्द्र जी
संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र



मा. योगेश जी
सेवा शिक्षा संयोजक
विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र



मा. सुरजीत जी
सह प्रान्त प्रचारक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गोरक्षप्रान्त



मा. राम सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
शिशु शिक्षा समिति, गोरक्षप्रान्त

हमारे प्रबन्ध पुरोधा



प्रदीप कुमार
अध्यक्ष
सरस्वती शिक्षा समिति, पक्कीबाग, गोरखपुर



संजय कुमार
व्यवस्थापक
सरस्वती शिक्षा समिति, पक्कीबाग-गोरखपुर



महेश अग्रवाल
कोषाध्यक्ष
सरस्वती शिक्षा समिति, पक्कीबाग-गोरखपुर

सरस्वती शिशु मन्दिर (१०+२) पक्कीबाग-गोरखपुर

स्थापना की आवश्यकता :- प्रत्येक राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था उस समाज के लिए दर्पण होती है क्योंकि देश के उत्थान-पतन के कारक शिक्षित नागरिक ही होते हैं। सुयोग्य, सार्थक एवं संस्कार युक्त शिक्षा ही किसी राष्ट्र के निर्माण व प्रगति का सर्वोत्तम प्रभावी और एक मात्र साधन है। "मानव की अन्तर्निहित शक्तियों का विकास ही शिक्षा है।" स्वामी विवेकानन्द की उक्ति को दृष्टिपक्ष में रखकर स्वाधीन भारत को पुनः जग सिरमौर के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए श्रेष्ठ जन के हृदयों में विचार मन्थन पूर्वकाल से हो रहे थे। अवसर प्राप्त होते ही बालक के सर्वांगीण विकास तथा उसको एक सुयोग्य एवं राष्ट्रभक्त नागरिक के रूप में निर्माण करने के लिए देश भक्ति एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित संस्कार युक्त शिक्षा की संकल्पना 1952 ई0 में बाबा गोरक्षनाथ की तपोस्थली पर नगर के मध्य में दुर्गाबाड़ी के समीप पक्कीबाग में श्रद्धेय भाऊराव देवरस, श्रद्धेय नाना जी देशमुख एवं श्रद्धेय कृष्णचन्द्र गाँधी की प्रेरणा से साकार हुई, तत्कालीन देव दुर्लभ मनीषियों ने विचारपूर्वक 'सरस्वती शिशु मन्दिर' के रूप में नामकरण किया। सम्प्रति सरस्वती शिशु मन्दिर योजना का यह प्रथम दीप पक्कीबाग से प्रज्ज्वलित होकर वर्तमान में सम्पूर्ण राष्ट्र को अपने प्रकाश से आलोकित कर रहा है।







वर्तमान में यह विद्यालय भारतीय संस्कृति एवं जीवन आदर्शों के अनुरुप राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति का विकास कर उसे मानवोपयोगी बनाने का कार्य कर रहा है। यहाँ शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, दायित्वबोध, चरित्र निर्माण तथा अन्तर्निहित शक्तियों के विकास हेतु पूर्ण प्रयास किया जाता है। इसमें कुशल आचार्यों द्वारा शिक्षण, अभिभावकों की श्रद्धा एवं समर्पित सहयोग सराहनीय है।



वर्तमान में यह संस्थान सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त (10+2) स्तर की आधुनिकतम शैक्षिक संसाधनों से युक्त है। विद्यालय में कुल 3600 छात्र-छात्राएँ सह-शिक्षा के रूप में प्रशिक्षित व कुशल 92 अध्यापकों के निर्देशन में अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही दूरस्थ क्षेत्र के छात्रों के लिए कक्षा दशम तक की आवासीय व्यवस्था भी है।

Saraswati Shishu Mandir (10+2) Pakkibag-Gorakhpur

The education system of every Nation is the mirror of the society because educated persons are responsible for the rise and fall of the nation. Only well earned, meaningful and cultural education are the top notch, effective recourse for the progress and construction of any nation. "Education is the development of inherent powers of human being". In favor of Swami Vivekanand ji's statement, to establish independent India as head crown, brainstorms were taking place continuously in the hearts of honorable people of India. As soon as the opportunity was received, the concept of education based on patriotism and Indian culture for all round development of child and to make a well-meaning and patriotic citizen, is came true in 1952 AD, near Durgabari at Pakkibag, the holyland of Baba Gorakhnath with the inspiration of venerable Bhaurao Deshmukh, Nana ji Deshmukh and Venerable Krishna Chandra Gandhi ji. Contemporaneous God like wise people had thoughtfully named it. "Saraswati Shishu Mandir". The First Lamp of Saraswati Shishu Mandir scheme is inflamed in "Pakkibag" but currently illuminating the intire nation with its light.





presently, this school is working to develop the national education system in accordance with the Indian culture and life's ideals to make useful for human being. Here, along with education, full efforts are made for development of discipline, character, building and inherent strength, where the devotion and devoted support of parents best try teaching by Acharya are commendable. Presently this institute is equipped with state of the art of educational resources of C.B.S.E. New Delhi accredited(10+2) level .Total 3600 students are studying as co-education, under the guidance of 92 Trained and skilled teachers. There is residential arrangement for the boys of up to class 10th for remote area's students.





विद्यालय प्रबन्धन

परिचयः-

सरस्वती शिशु मन्दिर पक्कीबाग का प्रबन्धन समाज के प्रबुद्ध समाजसेवी, राष्ट्रभक्त जन द्वारा सम्पादित होता रहता है। सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर की सम्पूर्ण आर्थिक व्यवस्था, शिक्षण शुल्क एवं समाज के सहयोग से संचालित होती है। नगर के निःस्वार्थ बन्धु/भगिनी नवीन योजनाओं सहित विद्यालय के सम्पूर्ण विकास के लिए चिन्तन-मनन में अहर्निश लगे रहते हैं। विद्यालय के समुचित प्रबन्धन के लिए नगर के प्रबुद्ध समाज सेवकों की प्रबन्ध समिति है। प्रबन्ध समिति अपने उत्तरदायित्वों का सजगतापूर्वक निर्वहन कर रही है। साथ ही शिशु, विद्यालय, समाज व राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

क्र.	नाम	पद
1.	श्री प्रदीप कुमार	अध्यक्ष
2.	डा मंगलेश श्रीवास्तव	उपाध्यक्ष
3.	श्री संजय कुमार	मंत्री
4.	श्रीमती रिंकी जैन	सहमंत्री
5.	श्री महेश कुमार अग्रवाल	कोषाध्यक्ष
6.	श्री बलराम अग्रवाल	सदस्य
7.	डॉ. राधेश्याम त्रिपाठी	सदस्य
8.	श्रीमती मधु सर्राफ	सदस्य
9.	श्री दीन दयाल	सदस्य
10.	श्री राजीव रंजन अग्रवाल	सदस्य
11.	श्री नवल शाह	सदस्य
12.	श्री छेदी प्रसाद द्विवेदी	सदस्य
13.	श्री राघवेन्द्र दास	सदस्य
14.	श्री संजय जालान	सदस्य
15.	श्री प्रसून गोयल	सदस्य
16.	श्री राम सिंह	प्रदेश निरीक्षक
17.	डॉ राजेश सिंह	पदेन सदस्य

School Management

The Managing committee of Saraswati Shishu Mandir is composed by the enlightened, caseworker patriots and good citizens. The entire financial system of Saraswati Shishu Mandir (10+2) Pakkibag, Gorakhpur is governed with the support of tution fees and society.

Selfless and philanthropist brothers and sisters of the city are incessantly engaged in contemplation with new plans for the over all development of the school. For the proper management of the school, there is a management committee of enlightened philanthropist of the city. The managing committee is discharging their responsibilities consciously. At the same time contanstantly staruing for the bright future of students, school society and nation.







विद्यालय की प्रगति हेतु संकल्पित
प्रधानाचार्य की लेखनी से...



शिवावतार पूज्य बाबा गोरक्षनाथ की पावन तपोभूमि पर विराजमान विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध, प्रथम ज्ञान दीप के रूप में प्रज्ज्वलित शिशु शिक्षा समिति गोरक्षप्रान्त द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर विद्या भारती योजना के समस्त संस्थानों की गंगोत्री है। यह अपने संस्कारक्षम अभिनव ज्ञान के अविरल प्रवाह से राष्ट्र के लिए चरित्रवान, ईमानदार, देशभक्त नवीन युवा शक्ति को तैयार करने में सतत सन्नद्ध है, जो जीवन की चुनौतियों को स्वीकारते हुए उनके समाधान को निकालने में भी उत्कृष्ट होगी।

छात्र-छात्राएँ माता के ममत्व पिता के वात्सल्य एवं भाई बहनों के स्नेह अभिसिंचन के बाद विद्यालय में शिक्षार्थ आगमन करते हैं तो हमारा भी कर्तव्य है कि उनके अज्ञानता के तिमिर को तिरोहित करके उन्हें ज्ञान के आलोक से आलोकित करें। यहाँ अध्ययनरत भैया-बहनों में निःस्वार्थ देशभक्ति भावना, आत्मबोध, स्वावलम्बन, ईमानदारी, समता, मुदिता, नेतृत्व क्षमता आदि राष्ट्रीय सद्गुणों का निर्माण कर उसे नवीन परिस्थितियों के साथ अनुकूलन करने के योग्य निर्मित की परम इच्छा है।

हमें पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि आप सभी माननीय सुधी श्रेष्ठ बन्धु/भगिनी के शुभ स्नेहाशीष एवं सफल सहयोग से यह संस्थान छात्र/छात्राओं का सर्वांगीण विकास करते हुए नित नूतन ऊँचाइयों का स्पर्श करने के लिए अग्रसर रहेगा।

Principal Committed for the progress of the school

Saraswati Shishu Mandir Pakki Bagh Gorakhpur is the first lamp of knowledge by Vidya Bharti educational institution known as the 'Gangotri' of Vidya Bharti, Situated on the holy peanance land of revred Baba gorakshanath, the incarnation of Lord Shiva. It is continuously engaged in preparing a character full, honest, patriotic new Youth Force for the nation through the continuous flow of innovative knowledge through its culture, who will be excellent in accepting the challenges of life and finding solution of them. Children come to school with deep love, affection and care of their parents and sibling, so it is our duty to dispel the darkness of their ignorance and enlighten them with the light of knowledge. The students studying here have the outmost desire to develop National virtues like selflessness, Patriotism, self-realisation, self-reliance, honesty,equality humility etc and make them capable of adapting to new circumstances.

We have full hope and confidence that with the good wishes and successful cooperations of all of you, this institution will continuously move forward to touch new heights everyday , while providing all round development of our students.

प्रभावी वन्दना

सरस्वती शिशु मन्दिर योजना में ईश्वर स्वरूप बालकों में आध्यात्मिक गुणों को विकसित करने हेतु प्रभावी वन्दना विद्यालय परिवार द्वारा सरस्वती कक्ष में नियमित की जाती है। वन्दना हेतु सरस्वती कक्ष में समस्त छात्र-छात्राएँ देशगीत गुनगुनाते हुए प्रवेश करते हैं। छात्रों द्वारा आसन ग्रहण करने के बाद अपने दैवीय प्राकृतिक मान बिन्दुओं एवं महापुरुषों को स्मरण करने हेतु प्रातः स्मरण, एकात्मता स्तोत्र एवं एकता मंत्र का वाचन कराया जाता है। सोमवार को शिव स्तुति, मंगलवार को हनुमान चालीसा, बुधवार को कबीर के दोहे, गुरूवार को गीता का सार, शुक्रवार को मानस पाठ व शनिवार को श्री रामस्तुति प्रति सप्ताह की जाती है। इसी क्रम में पंचांग, जन्मदिन, समाचार वाचन, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, प्रेरक प्रसंग का वाचन वन्दना सभा में नियमित छात्र-छात्राओं द्वारा होता है। तत्पश्चात् वन्दना, प्रार्थना, ध्यान, गायत्री मंत्र, भारत माता वन्दना, शान्ति पाठ छात्र-छात्राओं द्वारा किया जाता है साथ ही किसी न किसी श्रेष्ठ जन द्वारा प्रेरणादायी आशीष भी प्राप्त होता रहता है।





विद्यालय की विशेषताएँ

शिक्षण योजना –

- छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विद्याभारती की योजनानुसार पंचमुखी शिक्षा की व्यवस्था।
- बोर्ड एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में श्रेष्ठ परिणाम।
- स्वच्छ, सुन्दर एवं सुसज्जित कक्षाकक्ष सहित क्रीड़ांगन।
- सुयोग्य एवं संस्कारित आचार्यों द्वारा नवीनतम विधियों के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन।
- निर्धारित एवं नियमित गृह कार्य की व्यवस्था।
- छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु सतत मूल्यांकन।



- समस्त छात्र-छात्राओं के लिए खेलकूद की उत्तम व्यवस्था ।
- स्वाध्याय हेतु वृहद् वातानुकूलित पुस्तकालय, वाचनालय एवं संगणक (Computer) कक्ष ।
- संस्कारक्षम वातावरण निर्माण हेतु नित्य संस्कारों पर बल ।



- छात्र-छात्राओं की अन्तर्निहित क्रियाओं एवं प्रवृत्तियों के विकास हेतु विभिन्न सह-पाठ्य क्रिया-कलापों एवं प्रयोगकार्यों पर बल ।
- अपनी मातृभूमि, संस्कृति, धर्म, परम्परा एवं महापुरुषों के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करने हेतु संस्कृति ज्ञान परीक्षा की व्यवस्था।
- छात्र-छात्राओं के समुचित विकास की जानकारी हेतु अभिभावक सम्पर्क, अभिभावक गोष्ठी एवं मातृ सम्मेलन की व्यवस्था।

- शीतल एवं शुद्ध पेय जल हेतु R.O. एवं Water Cooler की व्यवस्था ।
- महानगर के प्रत्येक क्षेत्र में छात्र-छात्राओं के आवागमन हेतु वाहन व्यवस्था।
- अध्ययन एवं अध्यापन हेतु Smart Class की व्यवस्था।
- गुरुकुल परम्परा पर आधारित कक्षा द्वितीय से दशम् तक के छात्रों हेतु शिशुकुल (Hostel) की व्यवस्था ।
- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)





द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार विषय :

नवम्/दशम्- हिन्दी, बेसिक/स्टैण्डर्ड गणित, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान तथा कम्प्यूटर ।

एकादश-द्वादशः

गणित वर्ग- हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, भौतिकी व रसायन विज्ञान ।

जीव विज्ञान वर्ग - हिन्दी, अंग्रेजी, जीव विज्ञान, भौतिकी व रसायन विज्ञान ।

वाणिज्य वर्ग - हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, लेखा शास्त्र, व्यावसायिक अध्ययन ।

कला वर्ग - हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र व इतिहास ।

छठवें विषय के रूप में कम्प्यूटर/शारीरिक शिक्षा की व्यवस्था ।









School's Features



1. Arrangement of Panchmukhi education as per Vidya Bharti's Scheme for all round development of students.
2. Physical education, intellectual education, vocation education, ethical education, spritual education.
3. Best result in board and other competitive examinations.
4. Clean, beautiful, furnished and airy class rooms with playground.
5. Learning by well qualified and cultured Acharya through the latest methods.
6. Arrangements of Scheduled and regular home work.



7. Use of continuos assessment method for all round development of students.
8. Best sports arrangements for all students.
9. For self study, there is a large air conditional library, reading room and computer room.
10. Emphasis on regular rituals to create cultured environment.
11. For the development of underlying activities and tendencies of students emphasis on various auxiliary activities.

(A) Arrangement of student Parliament for the development of good administration, civil perception and oratory.

(B) Formation of Shishu Bharti, Bal Bharti and Kanya Bharti for the development of a sense of responsibility.

(C) Formation of various student councils for practical knowledge of students.



12. Arrangement for organizing visit to divine places, historical place's tour, educational exhibition and student's camp etc for social and



geographical learning.

13. Arrangement of cultural knowledge examination to get knowledge in relation to our motherland, culture, religion, tradition and about great personalities.
14. Arrangements of parents contact, parent seminar and mother conference. For the information about the proper development of the students.
15. Arrangement of knowledge exhibition and science question forum, science exhibition, science fair for scientific talent development in students.
16. Arrangement of Generator and Solar Panel for smooth electricity.
17. Set-up of R.O. water cooler for fresh and cool water.
18. Conveyance facilities for the movement of each student of metropolitan from every area.
19. Provision of smart class in studies and teaching.
20. Arrangement of "Shishukul" for boys from class II to X based on Gurukul tradition.
21. Subject as per syllabus prescribed by Central Board of Secondary Education.



Ninth/Tenth :

Hindi, English, Basic/Standard Maths, Social Studies, Science and Computer.

Eleventh/Twelfth :

Mathematics Group : Hindi, English, Maths, Physics and chemistry .

Biology Group : Hindi, English, Biology, Physics, Chemistry.

Commerce Group:



Hindi, English, Economics, Accountancy, Business Studies.

Art Group :

Hindi, English, Economics, Political Science, Sociology, History.

Note : Computer education / physical education are provided as the sixth subject.

अभिभावकों से विनम्र निवेदन

सरस्वती शिशु मन्दिर योजना में अभिभावक विद्यालय प्रगति हेतु महत्त्वपूर्ण घटक है। अतः अधोलिखित निवेदन अपेक्षित है –

1. मासिक शुल्क प्रत्येक माह की निर्धारित तिथियों 5, 10, 15, 20, 25 व 28 को विद्यालय कार्य दिवस पर 1.00 बजे तक कार्यालय में जमा करें। इन तिथियों पर द्वितीय/चतुर्थ शनिवार होने पर अगले दिन जमा होगा।
2. शुल्क देय तिथि को अवकाश की अवस्था में आगामी कार्य दिवस पर शुल्क जमा होगा।
3. शुल्क न जमा होने की स्थिति में मासान्त दिवस को छात्र का नाम उपस्थिति पंजी से पृथक हो जाएगा। तत्पश्चात् 100/– पुनः प्रवेश शुल्क के साथ गत व वर्तमान किस्त के साथ शुल्क देय होगा।
4. बिना सूचना के अनुपस्थित होने पर प्रतिदिन 100/– रु0 अर्थ दण्ड देय होगा।
5. वाहन से आने वाले छात्रों के शिक्षण शुल्क के साथ ही वाहन शुल्क देय होगा।
6. अप्रैल मास में प्रवेश शुल्क के साथ एक किश्त देय होगा। शेष शिक्षण शुल्क (मई, से अक्टूबर तक) 5 द्विमासिक किश्तों में जमा होगा।
7. जिले के बाहर देश दर्शन यात्रा, शिविर शुल्क कार्यक्रम तय होने पर अलग से देय होगा।
8. छात्र की अनुपस्थिति की स्थिति में अभिभावक की ओर से एक दिन पूर्व अथवा अवकाश के अगले दिन लिखित प्रार्थना पत्र प्रेषित करना आवश्यक है।
9. लगातार तीन दिन बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर छात्र का नाम विद्यालय से पृथक किया जा सकता है।
10. प्रत्येक परीक्षा तक छात्र की उपस्थिति 90% होनी चाहिए, इससे कम उपस्थिति की स्थिति में छात्र को परीक्षा से वंचित किया जा सकता है।
11. पूर्ण विद्यालय वेश के अभाव में व विलम्ब से विद्यालय आने पर छात्र विद्यालय से वापस किया जा सकता है।
12. शिक्षण अवधि में कक्षा कक्ष में जाना वर्जित है।
13. आचार्य जी से शिक्षण अवधि के पश्चात् ही मिल सकते हैं।
14. छात्रों को विद्यालय आते समय मोबाइल, स्कूटी/बाइक व कीमती सामान न दें।
15. छात्र–छात्राओं के गृह कार्य हेतु छात्र दैनन्दिनी विद्यालय से प्राप्त होती है। उसका दैनिक निरीक्षण कर हस्ताक्षर अवश्य करें।
16. सुपाच्य भोजन, स्टील के पात्र में, पूर्ण विद्यालय वेश में एवं पठन–पाठन सामग्री के साथ छात्र को विद्यालय भेजें।
17. घर पर संस्कारों एवं अच्छी आदतों के लिए बार–बार आग्रह होना चाहिए।

(विद्यालय व्यवस्था व छात्र हित में उपर्युक्त बिन्दुओं का अनुपालन करना सुनिश्चित करें।)

17. नामांकन के पश्चात् शुल्क वापसी का कोई प्रावधान नहीं है।

प्रवेश फार्म, नमूना फार्म को देखकर ठीक प्रकार से भरें। कटिंग एवं ओवर राइटिंग मान्य नहीं है। बाद में संशोधन सम्भव नहीं होगा।





Humble Request to Guardians

In the scheme of Saraswati Shishu Mandir, guardians are important component for the progress of school. So guardians are requested to pay their careful attention to the following instructions :-

1. Monthly fee will be deposited on scheduled dates 5, 10, 15, 20, 25 and 28 in school working day before 01.00pm, in the office. Due to 2nd/4th Saturday, the fee will be deposited on next working day.
2. In case of non deposit of fee, till the last date of the month, the name of the student will be separated from the attendance register. After that Rs. 100/- re-entry fee along with the balance of the last and the current installment's fee will be payable.
3. Vehicle fee will be paid along with tuition fee of students, coming from vehicle.
4. For absence without notice, a penalty Rs. 50/- will be payable per day.
5. First Installment will be deposited along with admission fee in the month of April. The remaining tution fee will be deposited in, two monthly installment from May to October.
6. Tour fee or camp fee will be deposited in spare if it is organized for going out district.
7. In case of student's absence, it is necessary to send written application on behalf of parents one day before or on the second day of Holiday.
8. In case of absence for three consecutive days without prior notice, the students name can be separated from the school.
9. Student's attendance should be 90% till each examination, in case of less than 90% attendance, student can denied from the examination.
10. The students can be returned home, if they do not come on time or decided school uniform.
11. It is forbidden to enter in class room during the teaching period.
12. Guardian can meet to teachers only after the teaching period.
13. Do not give mobile, scooty, bike and others valuables things to the students while coming to school.
14. Student's diary is provided by school to every student. Guardians should check the diary and sign it daily.
15. Guardian should send their child to school managing complete study materials, well digestible lunch in steel vessel.
16. Children should be encouraged by guardian to learn good habits at home.

Fill the admission form by looking at the sample form. Cutting & overwriting is not allowed. It will not be amended later.





आचार्य परिवार

क्र.सं.	नाम	पद	योग्यता	दूरभाष
1.	डा0 राजेश सिंह	प्रधानाचार्य	एम.ए., बी.एड., पी.एच.डी	9336289985
2.	श्री संजय श्रीवास्तव	पी.जी.टी. राजनीति शास्त्र	एम.ए., बी.एड.	6307865200
3.	श्री अविनाश कुमार श्रीवास्तव	पी.जी.टी. हिन्दी	एम.ए., बी.एड.	9792969834
4.	श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय	पी.जी.टी. व्यावसायिक अ.	एम.काम., बी.एड.	9452911994
5.	शिवेन्द्र प्रताप मिश्र	पी.जी.टी. गणित	एम.एस.सी., बी.एड.	9807950280
6.	श्रीमती रूक्मिणी उपाध्याय	उप प्रधानाचार्या	एम.ए., बी.एड.	9454926694
7.	श्री मनीष दुबे	पी.जी.टी. कम्प्यूटर	एम.सी.ए.	8869946488
8.	श्री शिव प्रताप नारायण सिंह	पी.जी.टी., अंग्रेजी	एम.ए., बी.एड.	9140648470
9.	श्री अभिषेक जायसवाल	पी.जी.टी. लेखाशास्त्र	एम.काम., बी.एड.	9936008182
11.	श्री रमेश प्रसाद	पी.जी.टी., जीव विज्ञान	एम.एस.सी., बी.एड.	9580279089
12.	श्री फणीश तिवारी	पी.जी.टी., गणित	एम.एस.सी., बी.एड.	9452048845
13.	श्री जगमोहन	पी.जी.टी. भौतिकी	एम.एस.सी., एम.एड.	9807930533
14.	श्री धर्मेन्द्र कुमार	पी.जी.टी., रसायन	एम.एस.सी., बी.एड.	9169345910
15.	श्री रवि तिवारी	पी.जी.टी., भौतिक	एम.एस.सी., बी.एड.	9369649357
16.	श्री चन्द्रमणि दुबे	पी.जी.टी., रसायन	एम.एस.सी., बी.एड.	9792830180
17.	श्री प्रियांशु जायसवाल	पी.जी.टी., जीव विज्ञान	एम.एस.सी., बी.एड.	9140428200
18.	श्री दीपेन्द्र सिंह	पी.जी.टी., शारीरिक	बी.ए., बी.पी.एड.	6387658694
19.	श्री विनय कुमार चतुर्वेदी	टी.जी.टी., गणित	एम.एस.सी., बी.एड.	9918076504
20.	श्री योगेन्द्रनाथ पाण्डेय	टी.जी.टी., हिन्दी	बी.ए., बी.एड.	9452203707
21.	श्री कौशल चन्द्र त्रिपाठी	टी.जी.टी., संस्कृत	एम.ए., बी.एड.	9936862553
22.	श्री अमर सिंह	टी.जी.टी., हिन्दी	बी.ए., डी.एल.एड.	8005143351
23.	श्रीमती मीरा श्रीवास्तव	टी.जी.टी. अंग्रेजी	एम.ए.,बी.एड.	7905033409
24.	श्री सदानन्द यादव	टी.जी.टी., सामाजिक विज्ञान	एम.ए., बी.एड.	9793638402
25.	श्रीमती अरूणिमा श्रीवास्तव	टी.जी.टी. संगीत	बी.ए. संगीत प्रभाकर	9936610730
26.	श्री शम्भू नारायण कुशवाहा	टी.जी.टी., सामाजिक विज्ञान	एम.ए., बी.एड.	9793179722
27.	श्री चन्द्रभूषण पाण्डेय	टी.जी.टी. कला	बी.ए., बाम्बे आर्ट, डी.एल.एड.	9140029227
28.	श्रीमती सुधा त्रिपाठी	टी.जी.टी. हिन्दी	एम.ए., बी.एड.	9628120933
29.	सुश्री शैल यादव	टी.जी.टी. शारीरिक	एम.ए., बी.पी.एड.	8858052526
30.	श्री ओम प्रकाश गुप्त	टी.जी.टी. गणित	बी.एस.सी., बी.एड.	8115000916
31.	श्रीमती भारती सिंह	टी.जी.टी., कम्प्यूटर	एम.सी.ए., डी.एल.एड.	8174878497
32.	श्री विजय प्रताप तिवारी	टी.जी.टी., सामाजिक विज्ञान	एम.ए., बी.एड.	9170220220
33.	श्री नरेन्द्र चन्द कौशिक	टी.जी.टी. विज्ञान	बी.एस.सी., बी.एड.	9984994599
34.	श्रीमती प्रियंबदा सिंह	टी.जी.टी. हिन्दी	एम.ए.बी.एड.	8737864543
35.	श्रीमती मंजरी यादव	टी.जी.टी. विज्ञान	एम.एस.सी., बी.एड.	9415658267
36.	श्री मनीष कुमार शर्मा	टी.जी.टी., कम्प्यूटर	एम.ए.,बी.एड.	9807441010
37.	श्री आशीष धर द्विवेदी	टी.जी.टी., कम्प्यूटर	एम.टेक., कम्प्यूटर, बी.एड.	7459832663
38.	श्री दिव्यांशु राय	टी.जी.टी. गणित	बी.एस.सी, बी.एड	6394011701
39.	श्री सन्तोष मल्ल	टी.जी.टी. गणित	एम.एस.सी., बी.एड.	9648365420
40.	श्रीमती शिल्पी चौहान	टी.जी.टी. कला	एम.एफ.ए. (पेन्टिंग)	8887504328
41.	श्री शिवकुमार त्रिपाठी	टी.जी.टी. अंग्रेजी	बी.ए., बी.एड.	8707508150
42.	श्री जयहिन्द	टी.जी.टी. अंग्रेजी	एम.ए.बी.एड.	9956976904
43.	श्रीमती रुपाली श्रीवास्तव	टी.जी.टी. हिन्दी	बी.ए., बी.एड.	7380777760
44.	श्री अभिषेक यादव	टी.जी.टी.	एम.काम., संगीत प्रभाकर	6393244386

आचार्य परिवार



45.	श्रीमती भारती राय	टी.जी.टी. सामाजिक विषय	एम.ए.,बी.एड.	9450003789
46.	श्री विशाल श्रीवास्तव	टी.जी.टी. अंग्रेजी	एम.ए., बी.एड.	9721601601
47.	श्रीमती सुनीता सिंह	टी.जी.टी. गणित	एम.एस.सी.,बी.एड.	9453132945
48.	श्री रवि नारायण निगम	टी.जी.टी.	बी.पी.एड., एम.पी.एड.	9140567983
49.	श्री नवनीत सिंह	टी.जी.टी.	एम.एस.सी., सी.एस.	9198719996
50.	श्री शशांक सिंह	टी.जी.टी.	एम.एस.सी., बी.एड.	6393273824
51.	सुश्री अंजली गुप्ता	टी.जी.टी.	बी.एस.सी., बी.एड.	9169630162
52.	श्रीमती वन्दना खरे	टी.जी.टी.	एम.ए., संगीत प्रभाकर	9936046639
53.	श्री उमेश मुनि मिश्र	पी.आर.टी.	इण्टर, आचार्य प्रशिक्षण	8853664537
54.	श्री हरिकिशुन गिरि	पी.आर.टी.	बी.ए., डी.एल.एड., डी.वी.एम.	9450882575
55.	श्री अरूण द्विवेदी	पी.आर.टी.	बी.ए., डी.एल.एड.	9454641393
56.	श्री अरविन्द दुबे	पी.आर.टी.	डिप्लोमा इन योग, डी.एल.एड.	8896530013
57.	श्री विजय कुमार श्रीवास्तव	पी.आर.टी.	बी.ए., डी.एल.एड.	9616010505
58.	श्रीमती सन्ध्या शर्मा	पी.आर.टी.	बी.ए., डी.एल.एड.	7081241904
59.	श्रीमती अमरावती देवी	पी.आर.टी.	एम.ए., डी.एल.एड.	8896890952
60.	श्री बृजेश राय	पी.आर.टी.	बी.ए., डी.एल.एड.	9415440590
61.	श्रीमती माया श्रीवास्तव	पी.आर.टी.	एम.ए., बी.एड.	8707076878
62.	श्रीमती रत्ना दुबे	पी.आर.टी.	एम.ए., डी.एल.एड.	8005105144
63.	श्रीमती विजयलक्ष्मी	पी.आर.टी.	एम.ए., डी.एल.एड.	8052446802
64.	श्रीमती सरोज मिश्रा	पी.आर.टी.	बी.ए., आई.जी.डी. बाम्बे आर्ट	9451524891
65.	सुश्री सुप्रिया दुबे	पी.आर.टी.	डिप्लोमा आई.टी.,डी.एल.एड.	8423759976
66.	श्री आशीष सिंह	पी.आर.टी.	एम.ए., डी.एल.एड.	8382088818
67.	श्रीमती मीनाक्षी सिंह	पी.आर.टी.	एम.ए., बी.एड.	9455231910
68.	श्रीमती अर्चना ओझा	पी.आर.टी.	एम.ए., बी.एड.	8726353100
69.	श्रीमती अंशिका गोंड़	पी.आर.टी.	एम.ए., संगीत प्रभाकर	8896406889
70.	श्रीमती नीतू शर्मा	पी.आर.टी.	एम.ए.बी.एड.	7080003077
71.	श्री सदानन्द पाण्डेय	पी.आर.टी.	एम.ए., बी.एड.	9452678724
72.	श्री सौरभ शुक्ला	पी.आर.टी.	एम.ए., डी.एल.एड.	7376675254
73.	श्रीमती कविता शुक्ला	पी.आर.टी.	एम.ए., बी.एड.	9415420002
74.	श्रीमती जया सिंह	पी.आर.टी.	एम.ए.,बी.एड.	8400933638
75.	श्रीमती भानुप्रिया	पी.आर.टी.	एम.ए.,डी.एल.एड.	9569055607
76.	सुश्री अंकिता सिंह	पी.आर.टी.	एम.ए.	8303149672
77.	श्रीमती सरिता शर्मा	पी.आर.टी.	एम.ए., डी.एल.एड.	9935026028
78.	श्रीमती प्रियदर्शिनी	पी.आर.टी.	बी.ए., संगीत प्रभाकर	9264951909
79.	श्री उत्पल दत्त	पी.आर.टी.	शास्त्रीय बी.एड.	8957683813
80.	श्रीमती रिचा सिंह	पी.आर.टी.	एम.ए., बी.एड.	8429580830
81.	श्रीमती सुनीता राय	पुस्तकालय अध्यक्ष	बी.ए., एम.एल.आई.एस.	8874305616
82.	श्री राजेश कुमार उपाध्याय	प्रधान लिपिक	एम.ए. बाम्बे आर्ट	7355306610
83.	श्री अभिषेक कुमार श्रीवास्तव	कार्यालय सहायक	एम.काम., सी.बी.ए., सी.सी.सी.	9453948694
84.	श्री कुमार हिमांशु शेखर	कार्यालय सहायक	एम.ए., बी.सी.ए, सी.सी.सी.	7301817804
85.	श्री शशिकान्त राय	कार्यालय सहायक	एम.ए., डी.एल.एड.	8874027382
86.	श्री मुकेश कुमार राय	कार्यालय सहायक	बी.ए.	8948031354
87.	श्री रौशन कुमार	प्रयोगशाला सहायक	बी.एस.सी.	6393528440
88.	श्री विनीत मिश्र	प्रयोगशाला सहायक	एम.ए.	9452107010
89.	श्री धर्मेन्द्र कुमार मौर्य	प्रयोगशाला सहायक	इण्टरमीडिएट	9554154763

शिशु वाटिका की संकल्पना
Play Way to U.K.G.



देश के भावी कर्णधार नन्हे मुन्ने शिशुओं के सम्पूर्ण विकास के लिए कृत संकल्पित सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग गोरखपुर में संचालित शिशु वाटिका का नवीन उपक्रम Play way का शुभारम्भ सत्र 2010–11 में किया गया था जो वर्तमान में प्रगतिपथ पर निरन्तर अग्रसर है। **शिशुवाटिका :** तीन से छः वर्ष अर्थात् Play way से U.K.G. तक के शिशुओं का आनन्ददायी शिक्षा केन्द्र के रूप में अभिनव प्रयोग है। शिशु वाटिका के माध्यम से घर पर रहने वाले शिशुओं को आगामी कक्षा में पूर्ण मनोयोग से विद्यालय जाने एवं शिक्षण हेतु पृष्ठभूमि की तैयारी हो जाती है। शिशुओं के लिए शिशु वाटिका 'आनन्द का धाम' है। यहाँ रूचिपूर्ण शिक्षण पद्धति द्वारा शिशुओं के शरीर, प्राण, मन, बुद्धि व आत्मा के समग्र विकास की अनुपम व्यवस्था है।







Play way (किलकारी) में शिशु आनन्ददायक क्रियाकलाप, संस्कार क्षम वातावरण, प्रत्यक्ष अनुभव, स्नेहपूर्ण पारिवारिक व्यवहार और सहज-स्वतन्त्र अभिव्यक्ति के माध्यम से शिक्षित होता है। शिशु वाटिका में शिशु की पूरी दिनचर्या आनन्दमूलक मस्ती भरी एवं संस्कारयुक्त



होती है शिशुओं के लिए सरस्वती शिशु मन्दिर घर के सदृश एवं आचार्य- आचार्याएँ माता-पिता के समान होते हैं। शिशु के जीवन के प्रारम्भ का यह खण्ड पूरे जीवन का निर्माण करता है।

शिशुओं के शारीरिक मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु अनेक संस्कारक्षम क्रिया-कलाप होते रहते हैं। साथ ही साथ शिशुवाटिका एवं शिशु के घर के वातावरण में एकरूपता बनाने का प्रयास किया जाता है।

शिशु वाटिका के कार्यक्रम :-



शिशु भारती का गठन, शिशु सभा, रंगमंचीय कार्यक्रम, प्रश्नमंच, वन विहार, ग्राम्य दर्शन, नगर दर्शन यात्रा, योगासन, चक्रयोग, डफली योग, काठी योग, डम्बल योग, तितली योग, योगचाप, घोष, आदि कार्यक्रम एवं शारीरिक प्रदर्शन होते हैं। साथ ही बस्ता, वेश, कला, गीता श्लोक, मानस गान, सुलेख, एकल गीत, कहानी, रूप सज्जा, आदि प्रतियोगिताएँ समय-समय पर होती हैं।



कार्यक्रम व प्रतियोगिताएँ

विद्या भारती के द्वारा छात्र-छात्राओं में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गुणों के विकास हेतु विद्यालय स्तर, संकुल स्तर, प्रदेश स्तर व क्षेत्र तथा अखिल भारतीय स्तर पर विविध प्रकार की प्रतियोगिताएँ व रंगमंचीय कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिसमें अधिकांश छात्र-छात्राएँ प्रतिभाग करके प्रतियोगिता में विजयी होते हैं जिससे उनका उत्साहवर्धन होता है और उनके अन्दर आत्मबल का विकास होता है।





कार्यक्रम :-

- शिशु भारती, छात्र संसद व कन्या भारती का गठन व शपथ ग्रहण समारोह ।
- अभिभावक गोष्ठी व अभिभावक सम्मेलन
- मातृभारती का गठन व मातृ सम्मेलन
- विद्वत परिषद का गठन
- बसंतोत्सव, विद्यारम्भ संस्कार
- वार्षिकोत्सव
- वन विहार, ग्राम्य दर्शन व देश दर्शन यात्रा
- पूर्व छात्र परिषद का गठन एवं बैठक



प्रतियोगिताएँ :-

वेश प्रतियोगिता, बस्ता प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता, गीता श्लोक प्रतियोगिता, मानस प्रतियोगिता, श्रीकृष्ण व श्रीराम रूप सज्जा प्रतियोगिता, हिन्दी अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता व खेलकूद प्रतियोगिता।



आलोक :- समस्त प्रतियोगिताओं के विजयी छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है।

विद्यालय का आदर्श वेश

वेश की पूर्णता, आदर्श विद्यालय का प्रतीक होता है। वेश की स्वच्छता एवं पूर्णता से शिशु प्रफुल्लित मन से अध्ययन कार्य करता है। सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर के भैया-बहिनों के वेश व्यवस्थित रहे, इस निमित्त अधोलिखित रूप से शिशुओं के वेश निर्धारित हैं:-

क. ग्रीष्मकालीन वेश -किलकारी से पंचम

1. **भैया-** पूरी आस्तीन की श्वेत कमीज, नेवी ब्लू नेकर (डेढ़ इंच गेलिस सहित) तीन लालधारी श्वेत मोजा, फीतादार काला जूता एवं श्वेत रुमाल।
2. **बहिनें-** पूर्ण आस्तीन की श्वेत कमीज, नेवी ब्लू स्कर्ट, (डेढ़ इंच गेलिस सहित) तीन लालधारी श्वेत मोजा, न्यूकट काला जूता, लाल रिबन, श्वेत रुमाल।

कक्षा षष्ठ से द्वादश तक

1. **भैया-** पूरी आस्तीन की श्वेत शर्ट, ग्रे रंग का फुल पैन्ट, ग्रे रंग का मोजा, फीतादार काला जूता एवं श्वेत रुमाल।
2. **बहिनें-**अर्द्ध आस्तीन की ग्रे कालरदार कुर्ती, श्वेत रंग का सलवार, ग्रे मोजा, न्यूकट काला जूता, काला रिबन श्वेत रुमाल ।

ख. शीतकालीन वेश -किलकारी से पंचम

1. जाड़े के दिनों में पूरी बाँह का (V) आकार के गले का लाल स्वेटर अथवा लाल कोट तथा 1.5 इंच गेलिसदार फुल पैन्ट, बहनों के लिए श्वेत रंग की लैगीज़।

कक्षा षष्ठ से द्वादश तक

1. **भैया -** जाड़े के दिनों में पूरी बाँह का (V) आकार के गले का नेवी ब्लू स्वेटर अथवा कोट।
2. **बहिनें -** जाड़े के दिनों में पूरी बाँह का (V) आकार के गले का नेबी ब्लू स्वेटर, अथवा कोट।

शुक्रवार, शनिवार वेश

सभी शिशुओं के लिए प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार को श्वेत नेकर, फुल पैन्ट, स्कर्ट, कालरदार कुर्ती व सलवार, सफेद पदवेश (जूते-मोजे) अनिवार्य है।



ग्रीष्मकालीन वेश
उदय से पंचम



शीतकालीन वेश
उदय से पंचम



ग्रीष्मकालीन वेश
अरूण



शीतकालीन वेश
अरूण

Ideal Uniform of Students

School Uniform symbolizes the perfectness and discipline of a school. Neat & clean uniform deals a big role in the confidence of pupils of Saraswati Shishu Mandir and Pays very attentive role for the school.

A Summer Uniform

Primary Section (Play-way to 5th)

Boys - Full Sleeved white shirt, Navy blue half pant with 1.5 inch galish. Laced Black shoes, white socks with three red lines and handkerchief.

Girls - Full Sleeved White Shirt, Navy Blue Skirt with 1.5 Inch Galish, White Socks with three red lines, new cut black shoes, red ribbon and white hankerchief.

Senior Secondary (From 6th to 12th)

Boys - Full Sleeved white shirt, Grey full pant, gray socks, laced black shoes and white hankerchief.

Girls - Half sleeved grey collared shift, white salvar, grey socks, new cut shoes, black ribbon and white hankerchief.



Summer Uniform
(From 6th to 12th)

B Winter Uniform

Primary Section- (Play-way to 5th)

1- **Boys -** Full white shirt of full sleeves, V neck, red sweater or red coat and full navy blue pant with 1.5" galish.

2- **Girls -** White shirt of full sleeves. V neck, red sweater or red coat, Navy Blue Skirt with 1.5 Inch Galish and white leggings.

Senior Secondary (From 6th to 12th)

1- **Boys -** Full Sleeved white shirt, V neck navy blue sweater or coat,

2- **Girl -** Full Sleeved grey collared shift, V neck navy blue sweater or coat.

Note - Half / Full white Pant, white shift, white salvar and white shoes & shocks are compulsory for every child on Friday and Saturday.



Winter Uniform
(From 6th to 12th)

पूर्व छात्र परिषद

क्र.सं.	पदाधिकारियों के नाम	पद
1.	डॉ0 राजेश सिंह	प्रधानाचार्य/संरक्षक
2.	श्री एस0एन0 कुशवाहा	आचार्य/प्रमुख
3.	श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव	संरक्षक
4.	डा0 सृजन कुमार श्रीवास्तव	अध्यक्ष
5.	श्री प्रांजल दुबे	उपाध्यक्ष
6.	श्री दिव्यांशु पटेल	उपाध्यक्ष
7.	श्री निखिल राय	मंत्री
8.	श्री अमित दुबे	सह मंत्री
9.	श्री अभिषेक यादव	सह मंत्री
10.	सुश्री आस्था सिंह	कोषाध्यक्ष
11.	श्री विशाल पाठक	कार्यक्रम संयोजक
12.	श्री आदित्य प्रकाश पाण्डेय	सह संयोजक
13.	श्री भानु प्रताप जी	मीडिया प्रमुख
14.	श्री आशुतोष पाण्डेय	सूचना प्रमुख
15.	श्री ऋषभ त्रिपाठी	सदस्य
16.	श्री अश्वनी मौर्य	सदस्य
17.	श्री महेश अग्रवाल	सदस्य





विद्वत परिषद

1.	डॉ0 राजेश सिंह	प्रधानाचार्य/संरक्षक
2.	श्री एस0एन0 कुशवाहा	आचार्य/प्रमुख
3.	प्रो0 आर0के0 सिंह	अध्यक्ष
4.	डॉ0 रामपाल कुशवाहा	उपाध्यक्ष
5.	प्रो0 डी0के0 सिंह	मंत्री
6.	डॉ0 धनीराम मौर्य	सह मंत्री
7.	प्रो0 बीना बी0 कुशवाहा	सदस्य
8.	डॉ0 रणजीत राय	सदस्य
9.	डॉ0 कमलेश कुमार मौर्य	सदस्य
10.	डॉ0 अर्जुन मिश्र	सदस्य
11.	श्री अजय शाही	सदस्य
12.	प्रो0 अजय शुक्ला	सदस्य
13.	डॉ0 अनिल यादव	सदस्य
14.	डॉ0 विजय प्रताप निषाद	सदस्य
15.	श्री हरिश्चन्द्र मौर्य	सदस्य





मातृ भारती के पदाधिकारी

क्र.सं.	नाम	पद
1.	श्रीमती नूतन त्रिपाठी	अध्यक्षा
2.	श्रीमती संगीता शर्मा	उपाध्यक्षा
3.	श्रीमती प्रियंका जायसवाल	मंत्री
4.	श्रीमती पुष्पा सिंह	सह मंत्री
5.	श्रीमती रीनम उपाध्याय	मीडिया प्रमुख
6.	श्रीमती जया त्रिपाठी	सदस्य
7.	श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव	सदस्य
8.	श्रीमती प्रियंका मिश्रा	सदस्य
9.	श्रीमती सीमा त्रिपाठी	सदस्य
10.	श्रीमती सुनीता पटेल	सदस्य
11.	श्रीमती रेखा यादव	सदस्य
12.	श्रीमती किरन शर्मा	सदस्य





विद्यारम्भ संस्कार

भारतीय संस्कृति के रक्षण पोषण हेतु संकल्पित सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर में नवागत शिशुओं के लिए विद्यारम्भ संस्कार बसन्तपंचमी के दिन सम्पन्न होता है। इस निमित्त तीन वर्ष से छः वर्ष तक के शिशु जो पहली बार घर से निकलकर विद्यालय जाने के लिए तैयार होते हैं उन सभी का विद्यारम्भ संस्कार सम्पन्न होता है। विद्यालय के सरस्वती कक्ष में समस्त आगन्तुक शिशु नवीन परिधानों में सुसज्जित होकर अपने माता-पिता के साथ आते हैं। विद्यालय की रचनानुसार नवीन छात्र कागज पेंसिल द्वारा पूजन के बाद कुछ अक्षरारम्भ करते हैं। विद्यारम्भ संस्कार के बाद शिशु स्तरानुसार कक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन प्राप्त करते हैं तथा समय से प्रवेश लेकर विद्याध्ययन करते हैं।



शिशु भारती



अविरल चौधरी
अध्यक्ष



वैदेही मिश्रा
उपाध्यक्ष



सूर्यांश मिश्र
मंत्री



अथर्व प्रताप सिंह
उपमंत्री



आदर्श यादव
सेनापति



आराध्या पाण्डेय
उप सेनापति



आराध्या वर्मा
वन्दना प्रमुख



श्रेया शुक्ला
वन्दना सहायक

कन्या भारती



अनन्या पाठक
प्रधानमंत्री



आकृति त्रिपाठी
उप प्रधानमंत्री



कशिश शर्मा
मुख्य न्यायधीश



ऑचल राय
न्यायाधीश



अपेक्षा राय
सेनापति



सृष्टि त्रिपाठी
उप सेनापति

बाल भारती



पार्थ त्रिपाठी
प्रधानमंत्री



दीपक गुप्ता
मुख्य न्यायाधीश



शिवम जायसवाल
उप न्यायाधीश



उत्कल कृष्ण यादव
मुख्य सेनापति



आकर्ष मिश्र
सेनापति

विद्यालय की यशस्वी उपलब्धियाँ

संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच

क्र.सं.	प्रतिभागी	प्रतियोगिता	वर्ग	स्तर	स्थान
1.	सक्षम वर्मा	प्रश्नमंच	बाल	अ0भा0	प्रथम
2.	आयुष मिश्रा	प्रश्नमंच	बाल	अ0भा0	प्रथम
3.	अस्तित्व श्रीवास्तव	प्रश्नमंच	बाल	अ0भा0	प्रथम
4.	अभिनव कुमार सिंह आशु भाषण		किशोर	प्रान्त	तृतीय
5.	निखिल प्रसाद मौर्या आशुभाषण		तरूण	क्षेत्र	द्वितीय









वैदिक गणित

क्र.सं.	प्रतिभागी	प्रतियोगिता	वर्ग	स्तर	स्थान
1.	सागर गुप्ता	प्रश्नमंच	किशोर	प्रन्तीय	प्रथम
2.	गगन पटेल	प्रश्नमंच	किशोर	प्रान्तीय	प्रथम
3.	आलोक कुमार गुप्ता	प्रश्नमंच	किशोर	प्रान्तीय	प्रथम
4.	आदर्श मिश्रा	प्रश्नमंच	बाल	प्रान्तीय	तृतीय
5.	अंश चौबे	प्रश्नमंच	बाल	प्रान्तीय	तृतीय
6.	सुशान्त द्विवेदी	प्रश्नमंच	बाल	प्रान्तीय	तृतीय
7.	जान्हवी	प्रश्नमंच	शिशु	प्रान्तीय	द्वितीय
8.	आयुष पाण्डेय	प्रश्नमंच	शिशु	प्रान्तीय	द्वितीय
9.	ओम मिश्रा	प्रश्नमंच	शिशु	प्रान्तीय	द्वितीय
10.	अंकितेश आर्य	पत्र वाचन	किशोर	प्रान्तीय	तृतीय
11.	नन्दिता विश्वकर्मा	पत्र वाचन	तरुण	प्रान्तीय	तृतीय
12.	प्रतीक्षा सिंह	पत्र वाचन	आचार्या	अ0भा0	तृतीय















खेलकूद प्रतियोगिता में विशिष्ट उपलब्धियाँ

अखिल भारतीय खेल-कूद (जूडो, कुराश एवं एथेलेटिक्स) की प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी

बाल वर्ग

प्रतिभागी का नाम	वजन	कक्षा वर्ग	स्थान क्षेत्रीय	स्थान अखिल भारती
केनिकाँम्बे (कुराश)	50 किग्रा.	7 C	प्रथम	तृतीय
छिन्बुकी (जूडो)	45 किग्रा.	9 C	प्रथम	प्रथम
नैतिक चौधरी (जूडो)	50 किग्रा.	9 C	प्रथम	द्वितीय
ज्योति सिंह (जूडो)	50 किग्रा.	7 A	प्रथम	तृतीय

किशोर वर्ग

राहुल कुमार (कुश्ती)	48 किग्रा.	10 E	प्रथम	द्वितीय
रॉबिन यादव (कुश्ती)	56 किग्रा.	11 C1	प्रथम	तृतीय
नितीश कुमार (कुश्ती)	44 किग्रा.	10 E	प्रथम	प्रथम
अमित यादव (कुश्ती)	62 किग्रा.	10 C	प्रथम	प्रथम
रेवती रमन (जूडो)	60 किग्रा.	10 D	प्रथम	द्वितीय
अनुष्का यादव (जूडो)	55 किग्र.	10 A1	प्रथम	तृतीय
अंकित पाठक (ताईक्वाण्डो)	60 किग्र.	11 B1	प्रथम	तृतीय

तरूण वर्ग

वैभव राय (कुराश)	65 किग्रा.	12 B2	प्रथम	तृतीय
प्रवीण कुमार (जूडो)	55 किग्रा.	10 B	प्रथम	प्रथम
सृष्टि चौधरी (जूडो)	55 किग्रा.	11 C1	प्रथम	प्रथम
आस्था गुप्ता (कुराश)	50 किग्रा.	11 C1	प्रथम	प्रथम
दीपक कुमार (एथलेटिक्स)	100 मी. व 110 मी.	12 C1	प्रथम	प्रथम
अर्जित भारद्वाज (ताइक्वाण्डो)	72 किग्रा.	12 C1	प्रथम	तृतीय











परीक्षा एवं मूल्यांकन पद्धति

1. विद्यालय में छात्रों को उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण होने के लिए औपचारिक परीक्षाएं ही आधार नहीं मानी जायेंगी। लिखित प्रायोगिक मौखिक एवं गृहकार्य इत्यादि का सतत मूल्यांकन किया जाता है। परीक्षा में छात्र के सर्वांगीण क्रिया-कलापों को स्थान दिया जाता है।
2. वर्ष में तीन मासिक परीक्षाएँ, अर्द्धवार्षिक तथा वार्षिक परीक्षा होगी। छात्र को सभी लिखित परीक्षाओं एवं मौखिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। प्रत्येक सत्र की परीक्षा की प्रगति पुस्तिका अभिभावक के पास भेजी जाती है। यदि यह परीक्षा समाप्ति के बीस दिन के अन्दर नहीं मिलती है तो अभिभावक को स्वयं आकार प्राप्त करना चाहिए तथा हस्ताक्षर करके कक्षाचार्य के पास जमा कर देना चाहिए।
3. बोर्ड परीक्षार्थी (दशम, द्वादश) को विद्यालय द्वारा आयोजित सभी मासिक व अर्द्धवार्षिक, पूर्वानुमानित परीक्षा में प्रत्येक विषय में उत्तीर्ण होना तथा कम से कम 90% उपस्थित होना आवश्यक है। ऐसा न होने पर बोर्ड मानक के अनुरूप छात्र-छात्रा को बोर्ड परीक्षा से वंचित किया जाता सकता है।

अन्य सूचनाएँ

1. स्वास्थ्य विवरण :-

कोविड-19, हेपेटाइटस-बी, कालरा, टाइफाइड, स्माल पॉक्स आदि के टीके लगवाने के बाद ही छात्र को विद्यालय में प्रवेश दिलाएँ। अपने डॉक्टर से गहन परीक्षण कराकर आवश्यक जानकारी लिखित रूप में कक्षाचार्य को अवश्य दें।

2. मध्यावकाश भोजन :-

छात्र-छात्रा को प्रतिदिन ताजा, सात्विक भोजन एक टिफिन में लाना आवश्यक है। भोजन सभी छात्र एक साथ मंत्रोच्चारण के बाद ही करते हैं। भोजन रुचिकर घर पर निर्मित होना चाहिए, फास्ट फूड न दें।



अभिभावक सम्पर्क

छात्र के समुचित विकास के लिए परिवार और विद्यालय के बीच सहयोग एवं सामन्जस्य परम् आवश्यक है। उसके लिए आचार्य/आचार्या अभिभावक सम्पर्क करते हैं। सत्र में अनेक बार अभिभावक सम्मेलन या गोष्ठी का भी आयोजन किया जाता है। इस सम्मेलन में विद्यालय सम्बन्धी सम्पूर्ण गतिविधियों की जानकारी अभिभावकों को दी जाती है तथा इन सभी को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने हेतु अभिभावकों से परामर्श लिया जाता है।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा

अपनी मातृभूमि, संस्कृति, धर्म परम्परा एवं महापुरूषों के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करने हेतु विद्या भारती द्वारा संचालित अनिवार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा की व्यवस्था विद्यालय में की गई है। जिसमें कक्षा चतुर्थ से द्वादश तक के सभी छात्र-छात्राएँ सम्मिलित होते हैं, सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को कक्षाशः पुरस्कृत किया जाता है।

छात्र दैनन्दिनी

विद्यालय में छात्र दैनन्दिनी छात्रों को नित्य भरनी होगी। छात्रों के चारित्रिक गठन में यह दैनन्दिनी अत्यन्त सहायक होती है। छात्र की दिनचर्या एवं विद्यालय में छात्र की समस्त गतिविधियों का विवरण दैनन्दिनी पर अंकित किया जाता है।

शैक्षिक पंचांग

सत्र के प्रारम्भ में सभी छात्रों को शैक्षिक पंचांग दिया जाता है। विद्यालय में होने वाले अवकाशों, जयन्तियों एवं परीक्षाओं की तिथियों आदि का विवरण इस शैक्षिक पंचांग में अंकित रहता है। इस पंचांग के अनुसार ही विद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियाँ चलती हैं।

प्रशंसा व प्रबोधन – पत्र

छात्रों द्वारा सराहनीय कार्य करने पर प्रशंसा पत्र एवं अनुचित कार्य करने पर प्रबोधन-पत्र आचार्य/प्रधानाचार्य जी के द्वारा दिया जाता है। इस प्रणाली से अनुचित कार्य से बचने की एवं अच्छा कार्य करने की प्रेरणा छात्रों को मिलती है।





हमारे गौरव



डा. महेन्द्र अग्रवाल
चिकित्सक



डा. मंगलेश श्रीवास्तव
चिकित्सक



डा. सूर्यकान्त त्रिपाठी
चिकित्सक होम्योपैथिक



डा. वी. वी. त्रिपाठी
चिकित्सक हड्डी रोग



श्री राकेश सिंह पहलवान
अन्तर्राष्ट्रीय पहलवान



डा. गिरिराज शरण
चिकित्सक



डा. बालकृष्ण ओझा
न्यूरो सर्जन



श्री विमल कृष्ण ओझा
वरिष्ठ मैनेजर-सहारा इण्डिया



श्री रामकृष्ण ओझा
वरिष्ठ एक्जीक्यूटिव-एच.एम.ई.एल. (रिफायनरी)-भटिण्डा



श्री आनन्द कृष्ण ओझा
डायरेक्टर-आर.डी.एस.ओ.-रेल मंत्रालय



श्री आलोक सिंह
लेफ्टिनेन्ट कर्नल



श्री श्रेयांश मोहन
भारतीय राजस्व सेवा
उप निदेशक, वस्तु एवं सेवा कर, पुणे



डा. सृजन श्रीवास्तव
चिकित्सक
MDS (OMFS)



श्री अमन पाण्डेय
असि0 प्रोफेसर (सी.एस.)
दिल्ली विश्वविद्यालय



श्री शाश्वत प्रकाश दुबे
निरीक्षक
अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड



श्री हर्ष वेणु गोपालन
प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
भारतीय खाद्य निगम



डा. अभिलाषा श्रीवास्तवा
चिकित्सिका
के.जी.एम.यू., लखनऊ



श्री शिवम श्रीवास्तव
प्रबन्धक
भारतीय खाद्य निगम, मुख्यालय नई दिल्ली

प्रवेश हेतु पाठ्यक्रम

1. प्ले वे से यू.के.जी.–मौखिक

2. कक्षा प्रथम से पंचम

1. हिन्दी – वर्णमाला (स्वर, व्यंजन), शुद्ध रूप, संज्ञा, सर्वनाम, विलोम, पर्यायवाची, वचन, लिंग, मुहावरा, पूर्व पठित कविता।
2. गणित – गिनती, पहाड़ा, जोड़, घटाना, गुणा भाग, स्थानीय मान, आरोही क्रम, अवरोही क्रम, छोटी बड़ी संख्या, दशमलव भिन्न, ल.स., म.स.प. त्रिभुज, कोण आदि।
3. English - Vowel, Consonent, articles, Preposition, Part of Speech, Degree, Forms of Verbs. Opposite, Similer word, One words Substitutes, Translation.
4. परिवेश अध्ययन एवं सामान्य ज्ञान :– पारिवारिक सदस्यों के नाम, वर्तमान व स्थायी घर का पता, मोबाइल नम्बर, जिला, प्रदेश, देश के नाम व राजधानियों के नाम, राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम, भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों के नाम आदि ।

3. कक्षा षष्ठ से एकादश हेतुः

पूर्व कक्षा के पाठ्यक्रम के आधार पर हिन्दी, गणित, अंग्रेजी एवं सामान्य ज्ञान–विज्ञान विषयों की परीक्षा होगी। एकादश में U.P. Board व CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित कक्षा दशम का पाठ्यक्रम।

1. गणित वर्ग हेतु – भौतिकी, रसायन, एवं गणित, अंग्रेजी ।
2. जीवविज्ञान हेतु – भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान, अंग्रेजी ।
3. वाणिज्य वर्ग हेतु – अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित।
4. कला वर्ग हेतु– अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान।

SARASWATI SHISHU MANDIR (10+2) PAKKIBAG, GORAKHPUR

Fee Structure

	For Old Student				For New Student			
Class	Play-way to 5th	6th to 8th	9th to 10th	11th to 12th	Play-way to 5th	6th to 8th	9th to 10th	11th to 12th
Annual Fee +1st Installment April	3000 + 2000 = 5000	4000 + 2800 = 6800	5500 + 4000 = 9500	6000 + 4400 = 10400	3500 + 2000 = 5500	4500 + 2800 = 7300	6000 + 4000 = 10000	6500 + 4400 = 10900
2nd Installment May	2000	2800	4000	4400	2000	2800	4000	4400
3rd Installment July	2000	2800	4000	4400	2000	2800	4000	4400
4th Installment August	2000	2800	4000	4400	2000	2800	4000	4400
5th Installment September	2000	2800	4000	4400	2000	2800	4000	4400
6th Installment October	2000	2800	4000	4400	2000	2800	4000	4400
Total Fee	15000	20800	29500	32400	15500	21300	30000	32900

Bus Fee

Class	Play-way to 5th	6th to 8th	9th to 10th	11th to 12th
1st Installment April	2400	2400	2400	2400
2nd Installment May	2400	2400	2400	2400
3rd Installment July	2400	2400	2400	2400
4th Installment August	2400	2400	2400	2400
5th Installment September	2400	2400	2400	2400
6th Installment October	2400	2400	2400	2400
Total	14400	14400	14400	14400

आलोक - विद्यालय वाहन में नामांकन कराने के पश्चात वर्ष भर का वाहन शुल्क देय होगा।

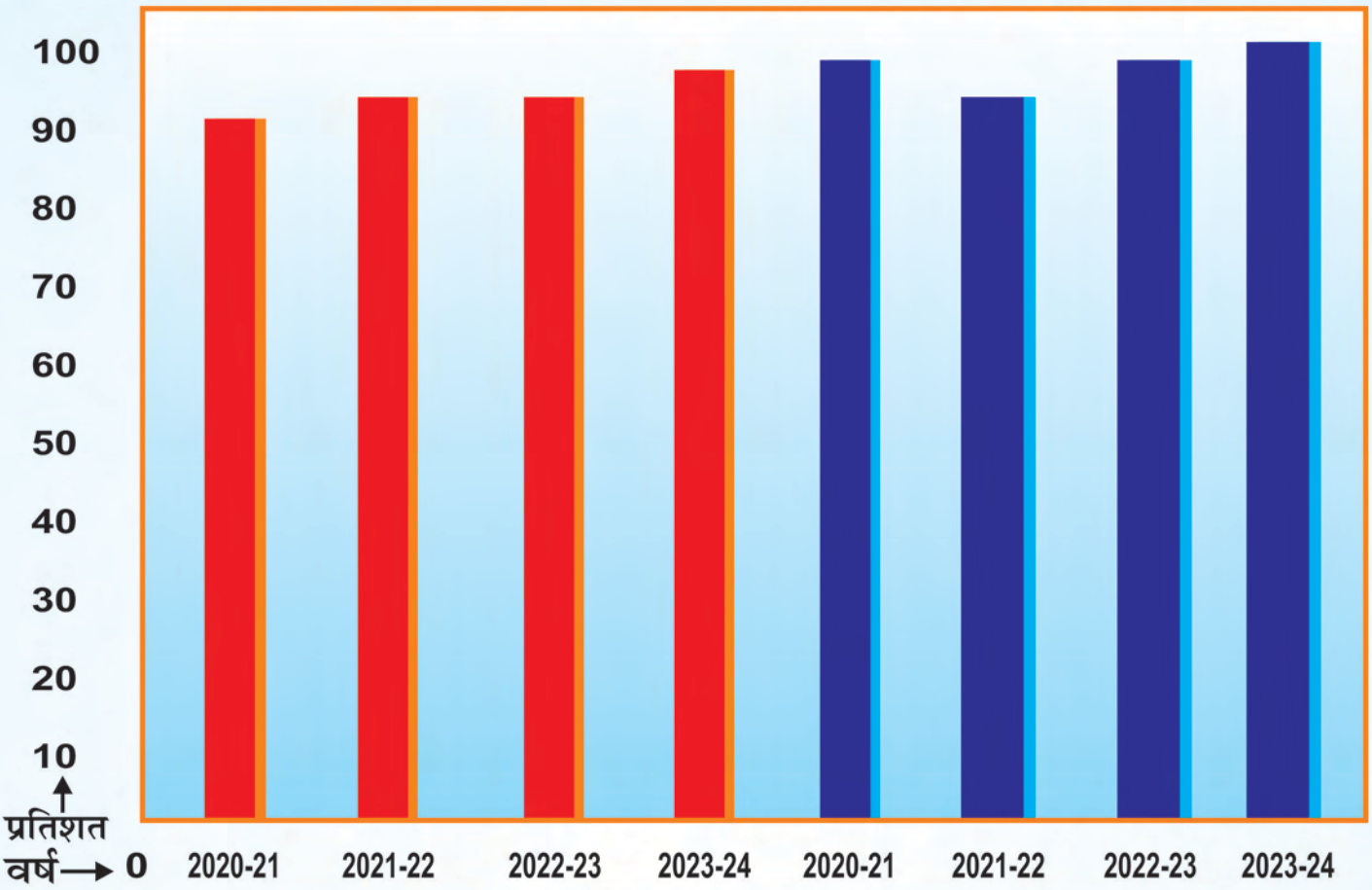
Note : After inrolling in the vehicle, the vehicle fee for the year will be payable.

The appropriate age of the child at the time of admission should be as following standard.

Standard	Playway	LKG	UKG	I	II	III	IV	V
Age	3-4 Yrs.	4-5 Yrs.	4-6 Yrs.	5-7 Yrs.	6-8 Yrs.	7-9 Yrs.	8-10 Yrs.	9-11 Yrs.

विद्यालय की गुणात्मक प्रगति बार-बार्ट द्वारा

विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति बार ग्राफ द्वारा हाईस्कूल-इण्टरमीडिएट



Our Toppers (AISSCE-2024) Class- XII Session 2023 -24



PRATIK CHAUBEY
96.4%



SAMIKSHA CHAUDHARY
95.6%



SAKSHAM KM. DWIVEDI
93.6%



SHASWAT KM. SINGH
93.4%



ADITYA YADAV
93.2%



SHAMBHAVI TRIPATHI
93.4%



NASEEM SIDDIQUI
92.8%



SANCHIT GUPTA
92.2%

Our Toppers (AISSE-2024) Class- X Session 2023 -24



AMIT KUMAR
97.8%



TEJAS SINGH
96.2%



ADITYA TRIPATHI
95.4%



VIRESH PRATAP SINGH
95.4%



SHREYANSH GUPTA
95%



CHANDRA MOHAN
95%



NITYAM SINGH
95%



शिशुकुल की अवधारणा

व्यक्ति निर्माण में संस्कारों का बड़ा महत्व है। शैशवकाल में प्राप्त किया गया संस्कार ही उसे सुन्दर व्यक्ति बनाता है। आवश्यकता होती है बालक को अधिक से अधिक संस्कारक्षम वातावरण में रहने की।

इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखकर दूरस्थ शिशुओं के लिए विद्यालय परिसर में आवासीय शिक्षण व्यवस्था का शुभारम्भ किया गया। सम्प्रति शिशुकुल के रूप में कक्षा द्वितीय से दशम तक की उत्तम व्यवस्था उपलब्ध है।



शिशुकुल परिवार

1.	श्री अरविन्द सिंह	शिशुकुल प्रमुख	8423612136
2.	श्री राजकुमार	आवास एवं स्वच्छता प्रमुख	9792958107
3.	श्री सुधांशु मिश्र	चिकित्सा प्रमुख	9026910843
4.	श्री रामदयाल	आचार्य	9565356860

शिशुकुल की व्यवस्थाएँ

- सर्वोत्तम आवासीय व्यवस्था।
- शाकाहारी, पौष्टिक एवं रूचिकर भोजन की व्यवस्था।
- शुद्ध एवं शीतल पेय जल की व्यवस्था।
- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ।
- पुस्तकालय एवं वाचनालय ।
- शारीरिक एवं योग की व्यवस्था।
- प्रातः एवं सायंकाल शिक्षण की व्यवस्था।
- प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी ।
- कम्प्यूटर शिक्षण की सुविधा।
- सर्वांगीण विकास हेतु खेल कूद की व्यवस्था।
- वस्त्र प्रक्षालन (धुलाई) की व्यवस्था ।
- वस्तु भण्डार हेतु आलमारी की व्यवस्था ।
- शैक्षिक यात्रा, अभिभावक सम्मेलन।





अभिभावकों से आग्रह





- अपने पाल्य को वेश, पठन-पाठन सामग्री तथा अन्य आवश्यक सामग्री प्रवेश के समय ही पूरा करके शिशु कुल में भेजें।
- प्रवेश के बाद यदि किसी बालक में दुर्व्यसन पाया गया तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
- अपने पाल्य को किसी भी काम के लिए अलग से नकद धन, कीमती वस्तुएँ, बिना अनुमति के खाद्य सामग्री न दें।
- छात्र के सभी सामानों पर नाम अंकित रहना चाहिए।
- अवकाश की सूचना मिलने पर समय से लेने और पहुँचाने का सफल प्रयास करना चाहिए।
- समय पर उपस्थिति न होने पर प्रतिदिन की दर से 50 रूपये विलम्ब शुल्क देय होगा।
- आवेदन पत्र पर अंकित नाम व चित्र वाले ही व्यक्ति मिलन दिवस पर मिल सकेंगे। मिलन दिवस प्रत्येक मास के अन्तिम रविवार को रहेगा।
- किसी भी छात्र का प्रवेश लिखित व मौखिक परीक्षा के बाद ही सम्भव हो सकेगा तथा प्रवेश के समय अंकपत्र, स्थानान्तरण प्रमाणपत्र व स्वास्थ्य प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
- मुख्यतः छात्रों का अवकाश दीपावली, शीतावकाश, होली व ग्रीष्मावकाश ही निर्धारित हैं।
- प्रथम खण्ड का शुल्क प्रवेश के समय एवं द्वितीय खण्ड का शुल्क 30 अक्टूबर तक बैंक ड्राफ्ट/चेक/नकद देय होगा। शिक्षण शुल्क विद्यालय में ही जमा होगा।
- छात्र के आवश्यक खर्च हेतु शिशु निधि की व्यवस्था है। अनुशासन हीनता या स्वेच्छा से मध्य सत्र में विद्यालय छोड़ने पर कोई शुल्क वापस नहीं हो सकेगा।

शुल्क प्रथम खण्ड

मद	कक्षा II से V	VI से VIII	IX से X
छात्रावास शुल्क (अर्द्धवार्षिक)	35000/-	40000/-	40000/-
सर्वयोग	35000/-	40000/-	40000/-

सुरक्षा निधि व शिशुनिधि 2000/-

शुल्क द्वितीय खण्ड

छात्रावास शुल्क (अर्द्धवार्षिक) 25000/-

सम्पूर्ण छात्रावास शुल्क 60000/- द्वितीय से पंचम

सम्पूर्ण छात्रावास शुल्क 65000/- षष्ठ से दशम

आलोक : छात्रावास शुल्क में भोजनालय, स्वास्थ्य परीक्षण, प्राथमिक चिकित्सा, पत्राचार, आवास, विद्युत, मनोरंजन, पुस्तकालय शुल्क सम्मिलित हैं। सुरक्षा निधि व शिशु निधि अलग से देय होगा।

सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर की द्वितीय इकाई

सरस्वती शिशु मन्दिर महावीरपुरम्, गोरखपुर

परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। सकारात्मक परिवर्तन में शिक्षालयों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। विद्या भारती का प्रथम पुष्प सरस्वती शिशु मन्दिर (10+2) पक्कीबाग गोरखपुर राष्ट्रीय भावनाओं एवं भारतीय संस्कृति का रक्षण पोषण सन् 1952 से समर्पित भाव से अहर्निश कर रहा है। समाज के सभी वर्ग के लिए संस्कारित भावी पीढ़ी के निर्माण हेतु नवीन इकाई के रूप में सरस्वती शिशु मन्दिर महावीरपुरम् का संचालन पूर्ण मनोयोग से हो रहा है।

सरस्वती शिशु मन्दिर महावीरपुरम् गोरखपुर नगर के उत्तर दिशा में नकहा रेलवे स्टेशन के समीप सुन्दर भवन में कक्षा एल.के.जी. से दशम तक के लिए सद्संस्कारित एवं प्रभावी शिक्षण हेतु दृढ़ संकल्पित है।



Salient Features

- Green Campus. (हरा भरा मैदान)
- Science and Computer Lab. (विज्ञान-कम्प्यूटर प्रयोगशाला)
- Co-curricular Activities. (सह-पाठ्य क्रियायें)
- Airy Classroom. (हवादार कक्षाकक्ष)
- Well Experienced Staff. (दक्ष एवं अनुभवी शिक्षक)
- Indoor-Out door Games. (आन्तरिक एवं वाह्य खेलों की व्यवस्था)
- Instant Medical Aid & Security. (त्वरित चिकित्सा व्यवस्था एवं सुरक्षा)
- Conveyance facilities are available. (आवागमन हेतु वाहन की सुविधा)









आचार्य परिवार

1.	श्री देवेन्द्रनाथ पाण्डेय	प्रधानाचार्य	9598545104
2.	श्री संजय मालवीय	सहव्यवस्था प्रमुख, परीक्षा व अनुशासन प्रमुख, पूर्व छात्र	9005877126
3.	श्रीमती मंजू मिश्रा	अतिथि प्रमुख, चिकित्सा, बालिका शिक्षा, मातृभारती	9935840605
4.	श्रीमती कुमुदलता त्रिपाठी	कार्यक्रम संचालन, पाठ्य सामग्री, उपस्कर व पुरस्कार	8756664457
5.	श्रीमती अनुराधा मिश्रा	वन्दना, खोया-पाया, संगीत प्रमुख व भोजन मंत्र	7897465209
6.	श्रीमती वीना सिंह	चित्र, सज्जा, स्वच्छता, सांस्कृतिक प्रश्नमंच	6392410184
7.	श्री आकाश सिंह	प्रश्न मंच, शिशु भारती, बाल भारती व मेधावी	7905738871
8.	श्रीमती कंचनबाला वर्मा	विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रमुख व कन्या भारती	8052410415
9.	श्रीमती पूजा यादव	बेला प्रमुख, अतिथि सहायक, पुस्तकालय व जयन्ती प्रमुख	7985666560
10.	श्री रमेश कुमार पाण्डेय	विद्युत, ध्वनिवर्धक, शारीरिक प्रमुख, खेलकूद व समाचार पत्र प्रकाशन	8948002955
11.	श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव	अंग्रेजी शिक्षण	9450432961
12.	श्री उत्कर्ष श्रीवास्तव	कार्यालय सहायक	8318061640
13.	सुश्री अपराजिता त्रिपाठी	पुस्तकालय प्रमुख	6306920379











Fee Structure

Class	For Old Students		For New Students	
	Annual Fee	Tuition Fee	Annual Fee	Tuition Fee
L.K.G. to 2nd	Rs. 1600/-	Rs. 600/-	Rs. 2000/-	Rs. 600/-
Class 3rd to 5th	Rs. 2200/-	Rs. 800/-	Rs. 2500/-	Rs. 800/-
Class 6th to 8th	Rs. 2700/-	Rs. 1000/-	Rs. 3000/-	Rs. 1000/-
Class 9th to 10th	Rs. 3200/-	Rs. 1300/-	Rs. 3500/-	Rs. 1300/-

Note : First installment of fee with conveyance (if provided) will be deposited with annual fee in month of April. Fee will be deposited in 6 installments (including 2 months fee in every installment) from May to November.

The appropriate age of the child at the time of admission should be as following standard.

Standard	Playway	LKG	UKG	I	II	III	IV	V
Age	3-4 Yrs.	4-5 Yrs.	4-6 Yrs.	5-7 Yrs.	6-8 Yrs.	7-9 Yrs.	8-10 Yrs.	9-11 Yrs.

परिवार भाव से कार्य करता है शिशु मंदिर : रमेश

राशी सिमरन न्यूज़





गोरखपुर। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध शिशु शिक्षा समिति द्वारा आयोजित सेवक, सेविका एक दिवसीय प्रबोधन वर्ग सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग में संपन्न हुआ। रमेश (प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोरख प्रांत) ने कहा कि भारत भूमि महान है इस महान भूमि में आप सभी लोग एक महान कार्य कर रहे हैं। शिशु मंदिर जगत को सुगन्धित करता है। पुष्प दंत जैन (उत्तर प्रदेश व्यापार कल्याण परिषद उपाध्यक्ष) ने कहा कि आप लोगों का कार्य बहुत ही सराहनी है। बिना आपके सहयोग से बिना कर्म से होती है द्य निश्चित रूप से आपका कर्म पूजनीय है।

राजबिहारी विश्वकर्मा (निदेशक स्वामी विवेकानंद आदर्श शिक्षा समिति) ने कहा कि मैं अभिभूत हूं

अवनीश पाठक वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

राहु चिन्न,संवाददाता

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मं (102) पक्की बाग गोरखपुर सरस्वती कक्ष में प्रधानाचार्य राजेश सिंह ने विभिन्न प्रतियोगी में स्थान प्राप्त कर ज्ञान का मान बढ़ाने वाले ी को सम्मानित किया। प्रत्य ाओं को संबोधित करते हुए होने कहा कि सम्मान से ा मिलती है। पढ़ना भाग्य बात है, पढ़ते हुए किसी प्रतियोगी में प्रतिभाग करना भाग्य की बात है और प्रयास करते रहना चाहिए।



होना चाहिए जीवने पर समंद की प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। इसमें विद्यालय के नहीं होना चाहिए और सतत रहती हैं।

प्रताप विज्ञान परिषद द्वार आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अभिनिहित मेधा – खण्डों में स्थान प्राप्त किया। मेधा रुक्ष द्वितीये कक्षा अष्टम में उद्दीपमान कवि गोष्ठी माध्यमिक वर्ग में प्रश्न स्थान प्राप्त किया। बालन देवेई निधा कक्षा पंचम ने हिंदी सुलेख में प्रथम स्थान प्राप्त किया प्राथमिक वर्ग में स मेधा द्वितीय पाण्डेय कक्षा अष्टम ने योगासन में कनिष्ठ वर्ग में तृतीय स्थान तथा मेधा गणेश तंवर कक्षा नवम ने योगासन वरिष्ठ वर्ग में तृतीय स्थान में प्राप्त किया। इस अवसर

सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग को पांच पदक मिले

गोरखपुर (एसएनबी)। विद्या भारती द्वारा आयोजित क्षेत्रीय खेल कूद प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग के छात्रों ने ताइक्वान्डो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक समेत कुल पांच पदक अपने नाम किया। छात्रों की इस सफलता पर विद्यालय परिवार में हर्ष है। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक दीपेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 49 जिलों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। विद्यालय के अजीत भारद्वाज ने 73 किग्रा एवं अंकित पाठक ने 63 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। अंकित विश्वकर्मा ने 55 किग्रा व हर्षित शर्मा ने 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक तथा शुभम वर्मा ने 48 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। छात्रों ने यह सफलता शारीरिक आचार्य अरविंद दूबे व शैल यादव के मार्गदर्शन में प्राप्त की। प्रधानाचार्य डा. राजेश सिंह ने पदक विजेता छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



विद्या भारती की क्षेत्रीय खेल कूद प्रतियोगिता



भारत भूमि वीरों की भूमि रही है - अमर सिंह

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (102)पक्कीबाग गोरखपुर में वीर बालक दिवस कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अमर सिंह जी ने भैया, बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की भूमि वीरों की भूमि रही है जिन्होंने समय समय पर अपनी संस्कृति, धर्म और देश की रक्षा के लिए अपने आप को बलिदान कर दिए सरजमी में से सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के पुत्र थे स जिनको याद में आज हम लोग वीर बालक दिवस मना रहे हैं, जो हमारे देश के वीर सपूतों की बहादुरी और बलिदान को याद करने का एक अवसर है। आज में आप सभी को गुरु गोविंद सिंह जी के चारों पुत्रों की वीरता और बलिदान के बारे में बताना चाहता हूं।साहिबजादा अजीत सिंह जी, साहिबजादा जुझार सिंह जी। साहिबजादा जोरावर सिंह जी, और साहिबजादा फतेह सिंह जी ने अपने पिता गुरु गोविंद सिंह जी के सिख धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। ये चारों पुत्र बहुत ही वीर और साहसी थे, और उन्होंने अपने ध र्म और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं की।साहिबजादा जुझार सिंह जी ने भी इसी लड़ाई में अपने प्राण न्योछावर किए। साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी को केवल 6 और 9 वर्ष की आयु में ही सरहिंद के नवाब वजीर खान ने दीवार में जिंदा चुनवा दिया था इन चारों वीर बालकों की वीरता और बलिदान से हमें यह सीखने को मिलता है कि हमें अपने ध र्म और देश की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। हमें उनकी वीरता और बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने जीवन में भी ऐसी ही वीरता और साहस दिखाना चाहिए।अंत मे, मैं गुरु गोविंद सिंह जी के

रामानुजन गणित के जादूगर थे : शिवेंद्र प्रताप मिश्र

सरस्वती शिशु मंदिर (10 2) पक्की बाग गोरखपुर में गणित दिवस के पूर्व संध्या पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के गणित प्रमुख एवं गणित के प्रवक्ता आचार्य शिवेंद्र प्रताप मिश्र ने कहा कि श्रीनिवास रामानुजन गणित के जादूगर थे स ये पल भर में गणित के बड़े से बड़े सूत्र हल कर देते थे स इनके द्वारा दिये गये सिद्धांत पर लोग आज शोध कर रहे हैं स इनकी ख्याति देश ही नहीं संपूर्ण विश्व में विख्यात है स गणित में इन्होंने जितना दिया है, कितना भी प्रशंसा किया जाए कम है स श्रीनिवास रामनुजन का जन्म 22 दिसंबर, 1887 को तमिलनाडु के इरोड में हुआ था। रामानुजन को गणित में कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला था।





उन्होंने मैथेमेटिकल एनालिसिस, नंबर थ्योरी, इनफिनिटि सीरीज, और कंटीन्यूड फ्रेक्शन जैसे गणित के विषयों में काम किया सरामानुजन ने बिना किसी सहायता के हजारों रिजल्ट्स और इक्वेशन तैयार किए। रामानुजन ने गणित को आसान बनाने के लिए और लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए काफी कोशिश की रामानुजन को ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी का फेलो चुना गया था स

गुरु जीवन जीने की कला सिखाता है – प्रो.जे पी सैनी

सरस्वती शिशु मंदिर (102)पक्की बाग गोरखपुर में आज वंदना सभा में व्यास पूजा कार्यक्रम भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल गोरक्ष प्रांत के प्रांत अध्यक्ष और गदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलगुरु (कुलपति) प्रोफेसर जे पी सैनी मुख्य वक्ता के रूप मे उपस्थित रहे। उन्होने इस अवसर पर गुरु की महत्ता बताते हुए अपने विचार रखे स गुरु जीवन जीने की कला सिखाता है। गुरु की महिमा गुरु ब्रम्ह मे निहित है। उन्होने बताया कि ईश्वर के रूठने पर गुरु अपनी शरण मे ले लेते लेकिन गुरु के रूठने पर ईश्वर अपनी शरण मे नही लेते। गुरु के मार्ग पर चलना ही गुरु दक्षिणा है। पूर्व ब्रह्मांड मे अपने शिष्य की सफलता पर प्रसन्न होते हैं। गुरु अपने शिष्य को उपलब्धि को अपनी स्वयं की उपलब्धि मानते हैं। गुरु केवल धार्मिक मार्ग की और नही ले जाते बल्कि ज्ञान रूपी सरोवर मे ले जाते हैं। उन्होने कहा कि जीवन के लिए हम माता–पिता के ऋणी है हो जीवन मे आने वाली हर कठिनाइयों और मुश्किलों का सामना करने के लिए गुरु के ऋणी है। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल गोरक्ष प्रांत महिला प्रकल्प सह



चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अतिथि परिचय प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेश सिंह जी द्वारा कराया गया। बहनों द्वारा प्रार्थना, भारतीय शिक्षण मंडल के ध्येय श्लोक का वाचन प्रदीप सिंह द्वारा, ध्येय वाक्य रजत द्विवेदी, एकल गीत का गायन कहन अंकिका जी ,आभार ज्ञापन प्रथम सरस्वती रुकैमणी उपाध्याय एवं संचालन मेघा निरिहल द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

जितना ही महिला सशक्त होगी उतना ही समाज एवं राष्ट्र सशक्त होगा - हेमचन्द्र



दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न



परिवर्तन उदय समाचार पत्र गोरखपुर

सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्की बाग गोरखपुर में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अमर सिंह जी ने दीप उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को आगामी पंच दिवसीय दीप पर्व महोत्सव की अनंत हार्दिक शुभकामनाएं। लक्ष्मी जी आप सभी पर इतनी प्रसन्न हो कि आप के घर को धन धान्य से परिपूर्ण



कर आप के पास ही स्थाई वास करें–गोवर्धन आप के समृद्ध खेत–खलिहान, यानी आप के स्वतेत हरने फले–फूले कि आपकी अनन्त पीढ़ियों तक किसी भी वस्तु का अभाव न हो मैया दूज माई बहन मे अटूट प्रेम दे, बहन कभी आपने आप को असहाय महसूस न करे और बहन द्वारा भाई के माथे पर लगाया गया तिलक स्थाई पुण्य की तरह हमेशा महकता रहे। उन्होने कहा कि यह पांच दिवसीय दीप महोत्सव आप सभी को उत्तम स्वास्थ्य,सुख–समृद्धि, आत्मसंतोष, शांति, स्फूर्ति और ऊर्जा दायक

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के पूरे जीवनकाल में स्वर्णिम काल - अनिरुद्ध सिंह



वॉयस ऑफ बस्ती संवाददाता

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मन्दिर पक्कीबाग गोरखपुर में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध सभी विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता के मूल्यांकन हेतु प्रत्येक वर्ष वार्षिक निरीक्षण सम्पादित किया जाता है। इसी कड़ी में शिशु शिक्षा समिति गोरखपुर विद्यालय में त्रिदिवसीय वार्षिक निरीक्षण सम्पन्न हुआ।

जिसमें निरीक्षक के रूप में सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देवरिया खास देवरिया के प्रबन्धक मुन्नीलाल शर्मा, प्रधानाचार्य अनिरुद्ध सिंह, क्रमशः शिक्षक सुरेंद्र सिंह, मदन सिंह,अजुरेन्द्र पति त्रिपाठी,पीयूष त्रिपाठी,करुणेद्र मिश्र, दिलीप श्रीवास्तव, सरस्वती शिशु मंदिर अंसारी मार्ग देवरिया के प्रधानाचार्य सतीश मिश्रा ने विद्यालय निरीक्षण किया।

प्रधानाचार्य अनिरुद्ध सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन मनुष्य के पूरे जीवनकाल में स्वर्णिम काल है, इस काल में किया गया परिश्रम मनुष्य को श्रेयता का आधार बनता है। यह प्रक्रिया विचार, नियोजन, क्रियान्वयन तृप्तता पर परिणाम पर जाकर समाप्त होती है। मोबाइल, लैपटाप व टी.वी. के अधिकाधिक उपयोग के कारण आज के विद्यार्थी का पठन–पाठन में ध्यान कम लग रहा है, सफलता के परिश्रम करना होगा। सूर्य की तरह चमकने के लिए हमें सूर्य की भाँति ही नियमित परिश्रम करना होगा।

गुरु नानक जयंती एवं बाल दिवस कार्यक्रम संपन्न



सरस्वती शिशु मंदिर (10 2)पक्की बाग गोरखपुर में गुरु नानक जयंती एवं बाल दिवस कार्यक्रम हुआस गुरु नानक जयंती के पूर्व संध्या पर आचार्य सौरभ शुक्ला जी ने कहा कि भारत संत महात्माओं का देश है,उसी में से एक सख हैं सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं संस्थापक गुरु नानक देव जी थेस जिन्होंने कहा कि नाम जपो, किरत करो, व

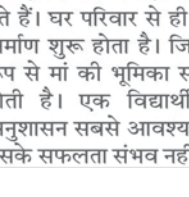












संविधान देश की आत्मा है – आचार्य एस एन कुशवाहा

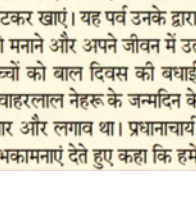












लोकमाता देवी अहिल्यावाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती को समर्पित विशेषांक का हुआ विमोचन



लोकमाता देवी अहिल्यावाई होल्कर विशेषांक का विमोचन करते संघ व विद्या भारती के पदाधिकारी • विद्या भारती

गोरखपुर : विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यकारिणी (कार्य योजना) बैठक शुक्रवार को सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग गोरखपुर में प्रारंभ हुई। उद्घाटन सत्र में लोकमाता देवी अहिल्यावाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती को समर्पित शिशु मंदिर संदेश विशेषांक का विमोचन हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघ चालक डा. महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि पूरे विश्व में संघ का गोगदान दिख रहा है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर पंच परिवर्तन के माध्यम से संघ समाज को जगाने का कार्य कर रहा है। इसमें सबसे बड़ा योगदान विद्या भारती का है, जिसका सीधा संपर्क बच्चों एवं उनके अभिभावकों से होता है। महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा संघ परिवार का दायित्व और बढ़ जाता है जब समाज में कोई परिवर्तन लाना होता है। क्षेत्रीय मंत्री डा. सौरभ मालवीय ने भी बैठक को संबोधित किया। इस दौरान विद्या भारती के पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल, संगठन मंत्री हेमचंद्र, योगेश, डा. राम मनोहर, डा. रामनाथ गुप्त, दिनेश सिंह, राम सिंह आदि मौजूद रहे।

अटल जी का प्रण भी अटल था — विजय प्रताप तिवारी







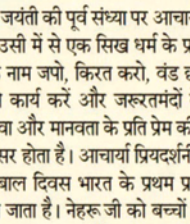
पेन व कार्ड भेंटकर शिक्षकों के प्रति जताई कृतज्ञता

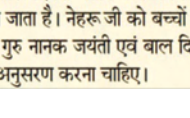












जीवन जीने की कला सिखाता है गुरु : मनीष शर्मा

विद्या भारती का उद्देश्य विद्यार्थी का हो सर्वांगीण विकास : दिव्यकांत शुक्ल

सुफ्त पकरट टाइम्स

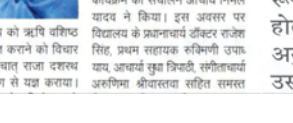
गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग गोरखपुर में आयोजित विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यकारिणी बैठक के तीसरे दिन समापन सत्र को संबोधित करते हुए विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल ने कहा कि विद्या भारती का उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास है। हम विद्यार्थी को केवल परीक्षा से नहीं पहचान सकते, जब उसके विकास के सभी प्रकार का विकास होगा, तभी वह सही मायने में विद्यार्थी कहलाएगा। हमें विद्यार्थी की जड़ तक जाकर उसकी भावनाओं को समझना होगा। हमें उसे अधिक पढ़ाना होगा और कम पढ़ाना होगा। हमें समझना होगा कि उसकी रुचि किसमें है। परीक्षा उसके जीवन का एक छोटा सा हिस्सा है। उसकी शिक्षा में मूल्य होने चाहिए। विद्यालय,विद्यार्थी,पाठ्यक्रम हमारे तीन केंद्र बिंदु हैं। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें विद्यालयों में शैक्षिक,सामन्य ज्ञान,चिंतकता और वाद–विवाद के माध्यम से बच्चों को जागरूक करना होगा। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रेमचंद्र जी ने कहा कि शिक्षण–प्रशिक्षण,निरीक्षण एक सतत प्रक्रिया है। हमें इन प्रयोगों और जानकारियों से अपडेट रहना होगा। हमने बच्चों को क्या दिया है, क्या देना है, क्या देने की जरूरत है। ये क्या लेना चाहते हैं, हमें यह समझना होगा। क्षेत्रीय मंत्री विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र डॉ० नीरज मालवीय ने कहा कि हम जो भी योजनाएं बनाएं उसके केंद्र में संस्कार होने चाहिए। हमारा उद्देश्य संस्कारयुक्त शिक्षा है, बच्चों में संस्कार भरना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज का युग सोशल मीडिया का युग है। हमें सोशल मीडिया पर हमेशा अपडेट रहना होगा। आज शिक्षा के जो भी नए साधन हैं, नई जानकारियां सोशल मीडिया के माध्यम से ही हम तक पहुंचती हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति और परिवार तक पहुंचनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख दिनेश सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय सह मंत्री अनुज नारायण मिश्र ने दिया। इस अवसर पर डॉ रामा मनोहर, योगेश जी, डॉ रामनाथ गुप्त, राम सिंह जी, त्रिपालताल जी सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

प्रभात फेरी निकाली, लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं द









गुरु नानक जयंती व बाल दिवस मनाया गया

गोरखपुर (एसएनबी)। सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग में गुरुवार को गुरु नानक जयंती

एवं बाल दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। गुरु नानक जयंती की पूर्व संध्या पर आचार्य सौरभ शुक्ला ने कहा कि भारत संत महात्माओं का देश है। उसी में से एक सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं संस्थापक गुरु नानक देव जी हैं। उन्होंने कहा कि नाम जपो, किरत करो, वंड छको का संदेश दिया, यानी ईश्वर का नाम जपें, ईमानदारी से कार्य करें और जरूरतमंदों के साथ बांटकर खाएं। यह पर्व उनके द्वारा स्थापित निस्वार्थ सेवा और मानवता के प्रति प्रेम की भावना को मनाने और अपने जीवन में उतारने का पावन अवसर होता है। आचार्या प्रियदर्शनी गिरी ने बच्चों को बाल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि बाल दिवस भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। नेहरू जी को बच्चों से बहुत प्यार और लगाव था। प्रधानाचार्य डा. राजेश सिंह ने गुरु नानक जयंती एवं बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें इन महापुरुषों का अनुसरण करना चाहिए।

श्री राम संपूर्ण जगत के पालनहार हैं – अमर सिंह

वॉयस ऑफ बस्ती संवाददाता

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग गोरखपुर में श्री रामनवमी कार्यक्रम हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अमर सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री राम संपूर्ण जगत के पालनहार हैं। परिस्थिति कैसी भी आई परंतु भगवान राम ने अपना सम्पूर्ण जीवन मर्यादा में रहकर व्यतीत किया कभी धैर्य नही खोया। श्री राम के जीवन चरित्र से हमें जीवन जीने की सीख मिलती है। इनके द्वारा बताए हुए मार्ग पर चलने से व्यक्ति को कभी दुखों का सामना नही करना पड़ेगा। उन्होने जीवन भर धर्म सम्मत आचरण किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम हमेशा लोभ, मय, क्रोध, मोह, से दूर रहे। उन्होंने रामायण के प्रसंग सुनाते हुए भैया बहनों को



या के राजा दशरथ की तीन पत्नियाँ थी लेकिन बहुत समय तक कोई भी राजा दशरथ को सन्तान का सुख नहीं दे पायी थी जिससे राजा दशरथ लिए राजा दशरथ को ऋषि वशिष्ठ ने पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराने को विचार दिया। इसके पश्चात राजा दशरथ ने महर्षि ऋष्यश्रृंग से यज्ञ कराया। हाथों में खीर की कटोरी लेकर बाहर निकले। यज्ञ समाप्ति के बाद महर्षि ऋष्यश्रृंग ने दशरथ की तीनों पत्नियों को एक–एक कटोरी खीर खाने को दी। खीर खाने के कुछ महीनों बाद ही तीनों रानियाँ गर्भवती हो गयी। ठीक 9 महीनों बाद राजा दशरथ की सबसे बड़ी रानी कौशल्या ने श्रीराम को जो भगवान विष्णु के सातवें अवतार थे, कैकयी ने भरत को और सुमित्रा ने जुड़वा बच्चों लक्ष्मण और शत्रुघ्न को जन्म दिया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं के द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात आरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन आचार्य निर्मल यादव ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेश सिंह, प्रधम सहायक रुकिमणी उपाध्याय, आचार्या सुधा त्रिपाठी, संगीताचार्या अरुणिमा श्रीवास्तवा सहित समस्त

अनुशासन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में शनिवार को वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रामनाथ गुप्त प्रांतीय मंत्री विद्या भारती ने कहा कि प्रथम शिक्षा माता–पिता ही देते हैं। घर परिवार से ही व्यक्ति का निर्माण शुरू होता है। जिसमें विशेष रूप से मां की भूमिका सबसे प्रमुख होती है। एक विद्यार्थी के लिए अनुशासन सबसे आवश्यक है, बिना उसके सफलता संभव नहीं है।

विद्यालय की गतिविधियाँ















